साहित्य अकादमी ने सम्मान से नवाजने का किया ऐलान

हिंदी में सुशील शुक्ल समेत 24 भाषाओं के लेखकों को 'बाल साहित्य पुरस्कार' मिलेंगे

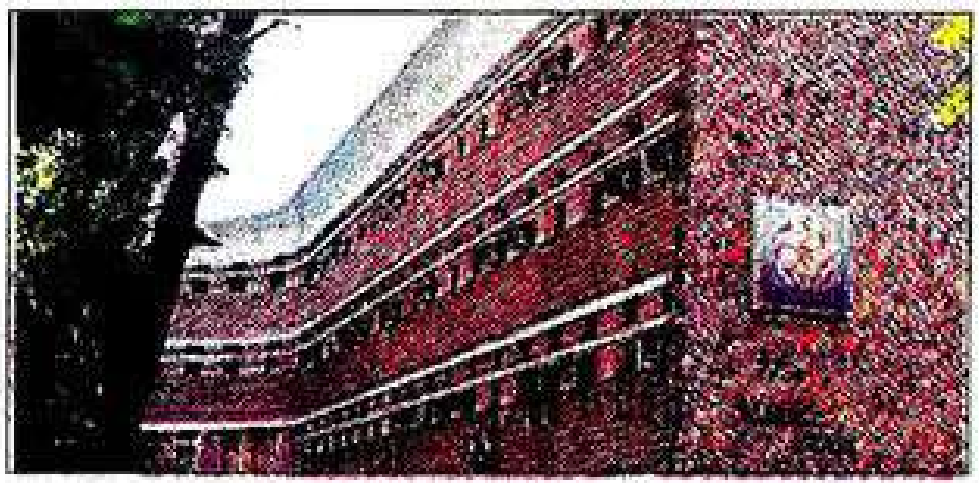

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

साहित्य अकादमी ने हिंदी में सुशील शुक्ल, अंग्रेजी में नितिन कुशलप्पा एमपी और उर्दू में गजनफर इकबाल समेत 24 भारतीय भाषाओं के लेखकों को 2025 के प्रतिष्ठित बाल साहित्य पुरस्कार से नवाजका बुधवार को ऐलान किया। अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव के हवाले से बताया गया है कि एक उत्कीर्ण ताम्रफलक तथा 50 हजार की सम्मान राशि दी जाएगी।

हिंदी में 'एक बटे बारह' पुरस्कृत

हिंदी में शुक्ल को उनकी कहानी 'एक बटे बारह' के लिए पुरस्कार मिलेगा। अंग्रेजी में नितिन कुशलप्पा एमपी को 'दक्षिण, साउथ इंडियन मिथ्स एंड फैब्लस रीटोल्ड' , उर्दू में इकबाल को 'कौमी सितारे' व मैथिली में मुन्नी कामत को 'चुक्का' , बांग्ला में त्रिदिब कुमार चट्टोपाध्याय को 'एखोनो गाये कांटा देय', गुजराती में कीर्तिदा ब्रह्मभट्ट को 'टिंचक', मराठी में सुरेश सावंत को 'आभालमाया'और पंजाबी में पाली खादिम (अमृत पाल सिंह) को 'जादू पता',भोगीलाल पाटीदार को 'पंखेरुवं नी पीड़ा' , संस्कृत में प्रीति पुजारा को 'बाल विश्वम', संथाली में हरलाल मुर्मू को 'सोना मिरु-अव संदेश',नेपाली में साइमु लेप्चा को 'शांति वन', असमिया में सुरेंद्र मोहन दास को 'मैनाहंतर पद्य', बोडो में बिनय कुमार ब्रह्मा को 'खान्थि बोसोन आरो आखु दानाय', डोगरी में पीएल परिहार 'शौक' को 'नन्हीं टोर', कोंकणी में नयना आडारकार सम्मानित होंगे।